आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 148 मुद्रण तारीख » 1 अप्रैल 2024 कुल पृष्ठ » 24

कोलकाता में जल्द ही हाईटेक ट्रेनिंग सेंटर

NARAYAN LIMBS & CALIPERS

कृपया करें
हम जैसे दिव्यांगों की मदद

आपका एक कृत्रिम अंग सहयोग, दिव्यांगों को बनाएगा आत्मनिर्भर

₹5000

सहयोग करें

Donate via UPI

Google Pay PhonePe

narayanseva@sbi

/nssudaipur /narayanseva sansthan /@narayanseva_ narayanseva sansthan

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 148 मुद्रण तारीख » 1 अप्रैल 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

07

09

10

12

19

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 April, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवा का स्वभाव ही पूजा

पीड़ितों की मदद कर जो सुख मिलता है, वह हर प्रकार के सुविधापूर्ण भौतिक संसाधनों की उपलब्धता से भी नहीं मिल सकता। दीन-दुखियों की सेवा को ही हमारे शास्त्रों और ऋषि-मुनियों ने सबसे बड़ा और सच्चा धर्म बताया है।

अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए तो सभी जीते हैं, किन्तु जो दूसरों के लिए जीते हैं अर्थात् दीन-हीन लोगों की मदद करते हैं, सही मायने में वे ही मानव हैं। इस सम्बंध में सिख संत हजूर स्वामी जी ने बहुत सुन्दर बात कही है- 'कोमल चित्त दयामन धारो। परमारथ को खोज उबारो।' अर्थात् परमात्मा से तादात्म्य स्थापित करने के लिए हृदय कोमल हो तथा दूसरों के दुःख-दर्द की अनुभूति की लालसा हो। इसीलिए संतजन अपने आश्रम-गुरूकुल में नीति और सेवा का शिक्षण देते हैं। पीड़ितों की मदद में जो सुख मिलता है, वह हर प्रकार के सुविधापूर्ण भौतिक संसाधनों की उपलब्धता, बेशुमार धन अर्जन और विविध स्वाद के नाना प्रकार के व्यंजनों में नहीं मिल सकता। नदी की लहरों के समान जहां सेवा का भाव हिलोरे लेता और पर्वत की भांति सेवा संकल्प लिए अडिग रहता है, वहां परमात्मा का आशीर्वाद फलीभूत होता ही है। सेवा के लिए प्रयत्न नहीं करना पड़ता वह स्वतः होने लगती है। सेवा का भाव वहीं उत्पन्न होता है, जहां अपनी प्रसन्नता के लिए स्थिति, परिस्थितियों की खोज में समय खराब नहीं किया जाता। अपने लिए प्रसन्नता तो तब मन में स्वतः हिलोर लेने लगेगी जब हम दूसरों की प्रसन्नता के लिए आगे बढ़ेंगे। आपके अपने इस संस्थान में सेवा के ऐसे अनेक अवसरों पर आपकी उपस्थिति ने असीम हर्ष और सन्तोष का अनुभव किया है।

निराश्रित, बीमार महानुभावों का नारायण रूप में यह संस्थान देश की सीमाओं से परे जाकर भी आपके सेवाभाव को मूर्त रूप दे पा रहा है। आप उस जल प्रवाह के समान हैं, जिनकी वृत्ति निरन्तर सेव्य की ओर बहने की है। पिछले जनवरी माह में आपके सहयोग व आशीर्वाद से देश-विदेश में कृत्रिम अंग माप, फिटमेंट व निःशुल्क सर्जरी चयन के अनेक कैम्प हुए तो फरवरी में ऐसे ही कैम्प के आयोजन के साथ दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवतियों के 41वें सामूहिक विवाह में 51 जोड़ों ने अपना घर-संसार बसाने की ओर कदम बढ़ाया।

आपके द्वारा की गई सेवा से किसी को सुख, शांति और आराम मिलता है तो वही ईश्वर की पूजा-आराधना है। सेवा पथ के सहयोगी आप सभी को प्रणाम।

सेवक प्रशांत भैया

समर्पण से ही सृजन

मैं को भूलो, उससे ऊपर उठो। यही सार्थक जीवन की श्रेष्ठ कला है। जिसने 'मैं' को विसर्जित किया और चित्त को सजृन में लगाया, वह परमानंद को पा गया।

हमारे मार्ग दर्शक ग्रंथ श्रीमद् भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरूक्षेत्र के मैदान में युद्ध के दौरान उपदेश में कहा कि केवल कर्म में विश्वास करो प्रतिफल की इच्छा मत करो। कर्म के अनुसार फल तो मिलना ही है। जैसा कर्म वैसा उसका फल।

बंधुओं! अपने को परमात्मा को समर्पण करके जो व्यक्ति कार्य करता है, कार्य की सफलता पर जो 'मैं' का विसर्जन कर उसे प्रभु की कृपा का प्रसाद मानता है। वह उसके सृजन की शक्ति बन जाती है। प्रभु ने प्रत्येक व्यक्ति को एक अच्छे और परहितकारी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जगत में भेजा है। यदि व्यक्ति अपने 'स्व' से परे रहकर उसकी प्राप्ति की दिशा में बढ़ता ही रहता है तो दूसरों के साथ उसका कल्याण तो स्वत; हो जाएगा। पीड़ितों और निराश्रितों की सेवा को यदि जीवन का आधार बना लिया जाए तो परमानंद अर्थात् ईश-दर्शन की कामना पूरी की जा सकती है, चाहे वह जिस रूप में हो । परिस्थितियों के विश्लेषण और उसके अनुसार उचित कर्म से ही हर बाधा को हटाया जा सकता है। जब व्यक्ति ऐसा करता है तो वही आत्म विजय का क्षण होता है। व्यक्ति जितना नम्र होगा, उतना ही वह अपने निकट होगा और जो अपने निकट रहता है, वह अपने गुणावगुण पर दृष्टि रखते हुए जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाता है। समाज में भी सम्मान और आदर का पात्र बनता है। किसी राज्य में एक शिल्पकार काष्ठ की कलात्मक वस्तुएं बनाता था। उसकी अलौकिक कुशलता की चर्चा नगर सेठ तक भी पहुंची। उसने शिल्पकार को अपनी कुछ कृतियों के साथ हवेली में आमंत्रित किया।

नगर सेठ आश्चर्यचकित था कि ऐसी सुन्दर और सजीव कलाकृतियों का सजृन मनुष्य कैसे कर सकता है? उसने शिल्पकार से कहा 'इन्हें ईश्वर ने बनाया है, या फिर ये तुम्हारी कोई माया है।' शिल्पकार बोला-'सेठ जी! यह कोई माया-वाया नहीं। जब इन्हें मैं बनाता हूँ तो पहले अपने को मिटा देता हूँ। अर्थात् अपने अहं को गला कर अपनी सम्पूर्ण भावनाएं ईश्वर को समर्पित कर देता हूँ। वही मेरी समर्पण प्रेरणा बनकर कृतियों में जीवंत हो उठती हैं।'

-श्री कैलाश 'मानव'

बंधुओं! जो लोग 'मैं' से घिरे रहते हैं, वे जब अपने को ही नहीं जान पाते तो भगवान को जानने की बात तो दिवास्वप्न है। 'मैं' को भूलना ही जीवन जीने की सबसे श्रेष्ठ कला है। इससे अपना और दूसरों का भला निश्चित है।

मातृशक्ति की
आराधना का पर्व

चैत्र नवरात्रि

चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है, क्योंकि इस नवरात्र की अवधि में सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। सूर्य 12 राशियों में भ्रमण पूरा करते हैं और अगला चक्र पूरा करने के लिए पहली राशि मेष में प्रवेश करते हैं। सूर्य और मंगल की राशि मेष दोनों ही अग्नि तत्व वाले हैं इसलिए इनके संयोग से ग्रीष्म की शुरूआत होती है।

चैत्र नवरात्र से नववर्ष के पंचाग की गणना शुरू होती है। इसी दिन से वर्ष के राजा, मंत्री,सेनापति, वर्षा, कृषि के स्वामी ग्रह का निर्धारण होता है और वर्ष में अन्न, धन, व्यापार और सुख शांति का आंकलन किया जाता है। नवरात्र में देवी और नवग्रहों की पूजा के अनुष्ठान का कारण यह भी है कि ग्रहों की स्थिति पूरे वर्ष अनुकूल रहे और जीवन में खुशहाली बनी रहे।

धार्मिक महत्व

चैत्र नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति प्रकट हुई थी और देवी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि निर्माण का काम शुरू किया था। इसलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हिन्दू नववर्ष शुरू होता है। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में पहला अवतार लेकर पृथ्वी की रचना की थी, इसके बाद भगवान विष्णु का सातवां अवतार जो भगवान राम का है,वह भी चैत्र नवरात्र में हुआ था।

वैज्ञानिक महत्व

नवरात्र का महत्त्व सिर्फ धर्म,अध्यात्म और ज्योतिष की दृष्टि से ही नहीं है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी नवरात्र का अपना महत्व है। ऋतु बदलने के दौरान मौसमी रोग जिन्हें आसूरी शक्ति कहते हैं, उनका अंत करने के लिए हवन,पूजन किया जाता है जिसमें कई तरह की जड़ी, बूटियों और वनस्पतियों का प्रयोग होता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने न सिर्फ धार्मिक दृष्टि को ध्यान में रखकर नवरात्र में व्रत और हवन पूजन अनुष्ठान के लिए कहा है बल्कि इसका वैज्ञानिक आधार भी है।

व्रत-हवन से स्वास्थ्य लाभ

नवरात्र के समय व्रत और हवन-पूजन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक हैं। इसका कारण यह है कि चारों नवरात्र ऋतुओं के संधिकाल में होते हैं यानी इस समय मौसम में बदलाव होता है। जिससे शारीरिक और मानसिक बल में कमी आती है। शरीर और मन को पुष्ट और स्वस्थ बनाकर नए मौसम के लिए तैयार करने के लिए व्रत किया जाता है। ऋतु संधि बेला में व्रत-उपवास से स्वास्थ्य लाभ मिलता है। व्रत-उपवास करने वाले को अपनी सेहत एवं स्थिति के अनुसार व्रत-उपवास रखना चाहिए। रोगी को डाक्टर से सलाह लेकर उपवास रखना चाहिए।

सत युग और त्रेतायुग के प्रारंभ का दिन

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया या आखा तीज कहते हैं। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका फल अक्षय होता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। अक्षय तृतीया स्वयंसिद्ध मुहूर्त में मानी गई है। अक्षय अर्थात् जिसका क्षय न हो। जो अमरता से भरा हो, जिसका पुण्य फल कभी समाप्त न हो।

इसदिन कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य, जैसे-विवाह, गृह प्रवेश, आभूषण, घर, भूखंड, वाहन आदि की खरीददारी जैसे कार्य किए जा सकते हैं। जिनकी कुंडली में पितृ दोष की स्थिति है, वे इस दिन पितरों का तर्पण, पिंडदान अथवा किसी और प्रकार का दान कर अक्षय फल प्राप्त कर सकते हैं। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायी है। सतयुग व त्रेतायुग का प्रारम्भ इसी तिथि से हुआ है। भगवान परशुराम जी का अवतरण और ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का अविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। बद्रीनारायण तीर्थ के कपाट भी अक्षय तृतीया से ही पुनः खुलते हैं। वृंदावन में श्री बांकेबिहारी जी मंदिर में भी सिर्फ इसी दिन श्री विग्रह के चरणदर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूर वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। द्वापर का समापन भी इसी दिन हुआ था।

अक्षय तृतीया और जैनधर्म

जैन धर्मावलम्बियों के लिए अक्षय तृतीया महान धार्मिक पर्व है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान ने एक वर्ष की तपस्या के पश्चात इक्षु (गन्ना) रस से पारणा किया था। श्री आदिनाथ ने सत्य व अहिंसा के प्रचार एवं अपने कर्म बंधनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक एवं पारिवारिक सुखों का त्याग कर जैन वैराग्य अंगीकार किया। सत्य और अहिंसा का प्रचार करते-करते आदिनाथ प्रभु हस्तिनापुर गजपुर पधारे जहाँ इनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर सम्पूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा। राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को पहचान लिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में प्रभु को गन्ने का रस दिया, जिससे आदिनाथ ने व्रत का पारणा किया।

गुनगुन के जीवन में लौटे खुशियों के रंग

एक भयानक सड़क हादसे ने जिन्दगी को एक पांव के सहारे लाकर खड़ा कर दिया। छोटी सी उम्र में ही ऐसी विकट स्थिति का सामना होने से माता -पिता को बेटी का भविष्य बिखरता सा लगने लगा।

यह कहानी (उ.प्र.) के कानपुर निवासी गुनगुन (8) की है। उसकी मीठी बोली और शरारतों से परिवार खुश था। तीन साल पहले ही घर के बाहर खेलते हुए तेज गति से आते एक वाहन से बुरी तरह से जख्मी हो गई। परिजनों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उपचार के दौरान बाएं पांव को कटवाना पड़ा। हंसती- खेलती जिन्दगी पलभर में एक पांव पर टिक कर कदम दर कदम सहारे की

मोहताज हो गई। हताश माता-पिता को बेटी की इस हालत से काफी पीड़ा होती पर वे भी मजबूर थे। एक दिन ईश्वर ने इनकी सुन ली। 10 सितम्बर 2023 को कानपुर में विशाल निःशुल्क नारायण लिंब एवं कैलीपर्स माप शिविर आयोजित होने की खबर मिली। जो मरूस्थल में बहार आने जैसी साबित हुई। गुनगुन को शिविर में लाने पर उसके पांव का माप लिया गया। पुनः 26 नवम्बर को आयोजित फिटमेंट शिविर में उसे कृत्रिम पांव पहनाकर चलने- फिरने का अभ्यास करवाया गया। अब वह बिना किसी सहारे के आराम से खड़ी हो चल -फिर सकती है। माता-पिता संस्थान और भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि बेटी को कृत्रिम पांव का उपहार दे उन्होंनेउसे एक नया जीवन प्रदान किया है।

कैलीपर्स पर खडा हुआ जुड़वां बचपन

मेहुल रंजन जापरिया दंपत्ति के घर एक साथ दो किलकारियां गूंजी तो परिवार की खुशियों का ठिकाना न था और जब यह पता चला कि दोनों ही लक्ष्मी स्वरूपा हैं तो घर का कोना-कोना दमक उठा। लेकिन खुशी के इस माहौल पर उस वक्त दु:ख की बदली छा गई, जब पता चला कि दोनों ही बेटियां पांवों से नि:शक्त हैं। राजकोट (गुजरात) के रहने वाले इस परिवार ने बेटियों (आस्था व अनिशा) का जन्म के बाद से ही करीब 8 वर्षों तक गुजरात व राजस्थान के कई बड़े अस्पतालों में इलाज भी करवाया लेकिन उन्हें घिसट कर चलने से राहत नहीं मिली। कक्षा चार में पढ़ने वाली बच्चियों को स्कूल ले जाना-लाना भी माता-पिता के लिए कठिन था, लेकिन बच्चियों के भविष्य को संवारने की पहाड़ सी जिम्मेदारी भी उनके सामने थी। संस्थान द्वारा राजकोट में नि:शुल्क नारायण लिम्ब जांच, माप एवं वितरण शिविर में दोनों बेटियों को लेकर माता-पिता शामिल हुए। जांच के बाद संस्थान विशेषज्ञों ने दोनों बच्चियों के लिए कैलिपर्स का माप लेकर 7 मार्च को राजकोट में ही लगे शिविर में उन्हें कैलीपर्स पर खड़ा कर दिया। माता-पिता तो खुश हैं ही, बच्चियों को आगे भी बढ़ने का हौसला मिला।

कोलकाता में जल्द ही हाईटेक ट्रेनिंग सेंटर

डिविनिटी पवेलियन बैंक्वेट हॉल कोलकाता में 2 मार्च को संस्थान एवं जायसवाल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग कैलीपर्स वितरण शिविर में विभिन्न दुर्घटनाओं में अपने हाथ-पांव खोने वाले 350 से अधिक लोगों को नारायण कृत्रिम अंग एवं निःशक्त व विकृत पांव वाले बच्चों, किशोर-किशोरियों को कैलीपर्स लगाए गए।

मुख्य अतिथि राज्य के अग्निशमन मंत्री श्री सुजीत बॉस थे। अध्यक्षता स्वरोजगार कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री तन्मय घोष ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रामअवध जायसवाल, रामसूरत जायसवाल,बिकास जायसवाल, जवाहरलाल जायसवाल, शंभुनाथ जायसवाल, अशोक जायसवाल, राजेश जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल, उमाशंकर जायसवाल, महेन्द्र जायसवाल, दिनेश जायसवाल, रतनलाल गुप्ता, धर्मचन्द भण्डारी, मेवाराम जायसवाल, के.के. जायसवाल, सुमित जायसवाल, पी जयंती, विवेक केड़िया, प्रमोद कुमार व राजेंद्र कुमार गुप्ता थे।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों का मेवाड़ी पाग,उपरना से अभिनंदन करते हुए कहा कि संस्थान पश्चिम बंगाल में दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग बनाने की अत्याधुनिक कार्यशाला की स्थापना के साथ एक हाईटेक ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने की योजना को मूर्तरूप देने के लिए शीघ्र ही राज्य सरकार को प्रस्ताव प्रेषित करेगा। ताकि राज्य के दिव्यांगों का सहज और संपूर्ण पुनर्वास संभव हो सके। मुख्य अतिथि ने इस कार्य में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।

शिविर में अखिल भारतीय जायसवाल युवा मंच, श्री सहस्त्रार्जुन जयंती समारोह समिति, श्री पश्चिम बंगाल जायसवाल युवा मंच, महिला युवा मंच, सर्व वर्गीय महासभा, जायसवाल संरक्षक संघ, सिद्धेश्वर शिव समाज, शिव - पार्वती जनकल्याण समिति, वेलिंग्टन नागरिक कल्याण कमेटी, ओम व्यवसायी संघ, जय माता दी सेवा संघ, नॉर्थ कोलकात्ता श्री साई सत्संग संस्थान, 108 प्रमाणसागर जैन फाउंडेशन, डी बी फाउन्डेशन ट्रस्ट, नागरिक स्वास्थ्य संघ जायसवाल, बालिका विद्या मन्दिर, श्री भूमि विकास मंच, डिवाइन नर्सिंग होम, आस्था फाउन्डेशन, जायसवाल समाज उत्कर्ष, हावड़ा जायसवाल परिवार, प्रान्तीय जायसवाल समाज, सत्कर्म ज्ञान यज्ञ समिति, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, जायसवाल महिला क्लब, जायसवाल संघ ट्रस्ट, प. बंगाल जायसवाल सर्वर्गीय महिला महासभा, बहूबजार कलवार जायसवाल वेलफेयर सोसाइटी आदि संस्थानों ने भी सेवाएं दी।

कृत्रिम हाथ-पांव ने बढ़ाया हौसला

संस्थान की ओर से पिछले दिनों देश के सात नगरों में कृत्रिम अंग-कैलीपर माप व वितरण के शिविर सम्पन्न हुए। शिविरों के आयोजन का यह क्रम बना रहे, इसके लिए सर्वे-समूह लगातार भ्रमण पर हैं।

वलसाड़ - श्री सौराष्ट्र कड़वा पाटीदार सेवा समाज बाड़ी, चोकड़ी- वलसाड़ (गुजरात) में 4 फरवरी को नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर उमिया सोश्यल ट्रस्ट के सौजन्य से सम्पन्न हूआ। जिसमें 17 निःशक्तजन को कृत्रिम अंग व कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अशोक भाई पटेल थे। अध्यक्षता श्री बाबू भाई ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री ईश्वर भाई, पीयूष भाई, प्रयाग भाई व हेमन्त पटेल थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी मुकेश शर्मा ने व संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

हैदराबाद - तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में 4 फरवरी को आयोजित दिव्यांग जांच, चयन एवं नारायण लिंब एवं कैलीपर्स माप शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 1077 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से 476 के कृत्रिम हाथ-पैर व 88 के कैलीपर बनाने का माप लिया गया। निःशुल्क सर्जरी के लिए 37 का चयन भी डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय ने किया। मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री पौन्नम प्रभाकर थे। अध्यक्षता संस्थान की हैदराबाद शाखा के संरक्षक श्री जसमत भाई पटेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी श्रीमती नंदिनी मालू, श्री उत्तम जैन डामरानी, शाखा संयोजक श्रीमती अल्का चौधरी व श्री मल्लिकार्जुन राव मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान ट्रस्टी श्री देवेन्द्र चौबीसा, जनसम्पर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ व योजना विभाग प्रभारी नरेन्द्र सिंह चौहान ने किया। प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

शेहगांव- महाराष्ट्र के बुलढाणा जिला के शेहगांव में रोटरी क्लब के सौजन्य से 18 फरवरी को सम्पन्न नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर में 99 दिव्यांग भाई-बहिनों को कृत्रिम अंग व कैलीपर प्रदान किए गए। माहेश्वरी भवन में आयोजित शिविर की मुख्य अतिथि श्रीमती आशा वेणु गोपाल रोटरी गवर्नर थीं। अध्यक्षता श्री सुनील नवगरे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री डॉ. अंकुश कीड़िया, प्रकाश रावलानी, प्रवीण साडगले, दिलीप भूतड़ा, श्रीमती विमला देवी व श्री विजय अग्रवाल मंचासीन रहे। शिविर संचालन मुकेश शर्मा ने किया।

पटना- भारत विकास परिषद- पाटलिपुत्र के सहयोग से 3 मार्च को पटना (बिहार) में नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 70 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 24 के कैलीपर लगाए गए। मुख्य अतिथि चेम्बर ऑफ कॉमर्स, पटना के चेयरमैन श्री सुभाष पटवारी थे। अध्यक्षता श्री ललित कविता अरोड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि श्री हनुमान सहाय गोयल व श्री विमल जैन, श्री विवेक माथुर, श्री अमन कचेरा, श्री संजय डोलिया व श्री राजीव पाठक थे। संचालन शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने किया।

कोलकाता– बिका बेंक्वेट हॉल, गोलाघाटा, कोलकाता में 4मार्च को सम्पन्न शिविर में 71 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 23 के कैलीपर लगाए गए। यह शिविर सर्वश्री मुक्ता-पंकज अग्रवाल, प्रियंका-राघव गोयंका व अंशिका-विशाल अग्रवाल के सौजन्य से उनके माता-पिता श्रीमती एवं श्री के.डी. अग्रवाल के विवाह की 40वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. शिशिरजी घोष थे। अध्यक्षता श्री प्रमोद जी आर्या ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री प्रदीप अग्रवाल, अरूण आर्य, दीपक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल व रामदेव अग्रवाल मंचसीन थे। अतिथियों व आयोजक परिवार का स्वागत-सम्मान कोलकाता आश्रम प्रभारी श्री प्रकाश नाथ व शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

भायंदर वेस्ट – तेरापंथ युवक परिषद् व संस्थान की भायंदर वेस्ट (महाराष्ट्र) शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 3 मार्च को तेरापंथ भवन में सम्पन्न शिविर में 35 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 78 के कैलीपर लगाए गए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री नरेन्द्र जी मेहता थे। अध्यक्षता अ.भा. तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय सहमंत्री श्री भूपेश जी कोठारी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कमलेश भंसाली, मनीष रांका व शाखा संयोजक कमलचन्द्र लोढ़ा थे। संचालन स्थानीय आश्रम प्रभारी मुकेश सेन ने किया।

शिव भक्ति संग नारी शक्ति सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं महाशिवरात्रि के अवसर पर 8 मार्च को संस्थान में शिव भक्ति संध्या एवं 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' संपन्न हुआ। गुरूकुल के विद्यार्थी व दिव्यांग बालक-बालिकाओं ने शिवाभिषेक किया और शिव स्तुति पर नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर रेखा बम्बोरिया,हिमानी परमार,शाहिना बानू शिक्षा सहयोगी आरती रावत,प्रियंका, पिंकी, प्रतिभा, रेखा पुष्करणा, स्वाति सोमानी, गायत्री सिंह, इंद्रा डांगी, सोनू चूण्डावत, सीता मेनारिया, पूजा चौहान,डिम्पल पटेल, हेमलता, सुमन आदि को प्रशस्ति पत्र, शॉल, साफा और उपरणा भेंटकर नारी शक्ति सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि 'विकसित भारत' के संकल्प की पूर्ति में महिलाएं बड़ा योगदान करने में पूर्णतः सक्षम हैं।

अधिकारियों का सम्मान

प्रशासनिक फेरबदल के चलते उदयपुर में नव नियुक्त हुए अधिकारियों का संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ और बंशीलाल मेघवाल ने स्वागत-सम्मान किया। जिनमें देवस्थान के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कुमार, बड़गांव उपखंड अधिकारी सीमा तिवारी, बाल अधिकारी सहायक निदेशक अरूषि जैन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक गिरीश भटनागर, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा शामिल हैं। इन्हें पगड़ी, उपरणा, गुलदस्ता एवं संस्थान साहित्य भेंट किया गया।

झीनी झीनी रोशनी-५९

उन्हें यकीन ही नहीं हुआ, उन्होंने तो सातवां पेपर जानबूझकर पूरा नहीं दिया था फिर वे कैसे पास हो गए। सोनी के पास भी इसका कोई जवाब नहीं था, परीक्षक ने शायद 30 अंकों के उत्तरों से ही प्रभावित होकर उन्हें पास कर दिया हो। सोनी से उसके परिणाम के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह एक पेपर के कारण अनुत्तीर्ण हो गया है। कैलाश जी ने दुःख प्रकट किया और शीघ्र ही जयपुर में मिलने का कह फोन रख दिया।

कैलाश जी जयपुर पहुँचे तो उन्हें पता लगा कि उनकी नियुक्ति जूनियर एकाउन्ट्स ऑफिसर के पद पर उदयपुर में हो गई है। वह इन्सपेक्टर का पद छोड़ना नहीं चाहते थे, एक बार तो उनके मन में आया कि जे.ए.ओ. पद लेने से इन्कार कर दे मगर बाद में जब उन्होंने गंभीरता से इस पर मनन किया तो यह युक्तिसंगत नहीं लगा क्योंकि जे.ओ.ए. को इन्स्पेक्टर से ज्यादा वेतन मिलता था। उन्होंने उदयपुर जाने का तय कर लिया। उदयपुर, हालांकि भीण्डर के समीप था फिर भी उनके लिए अनजान था, बड़ा शहर था, कैलाश जी छोटे थे तब जरूर एकाध बार जाना हुआ होगा।

कैलाश जी के बड़े भाई साहब की शादी उदयपुर में ही हुई थी। भीण्डर से बारात में वह भी आये थे। बारात फतह मेमोरियल धर्मशाला में ठहरी। यह 1962 की बात है, तब वे नवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब प्राईवेट बसें ही चलती थी। भाई साहब बाद में कोटा में बस गये। इसके पहले भी वह एक बार उदयपुर आये थे, तब तो और भी छोटे थे। बस स्टेण्ड पर जाकर उदयपुर का टिकिट लिया, टिकिट पौने दो रूपये का था मगर उनके पास छुट्टे पैसे नहीं थे। दस का नोट था, वही देकर उन्होंने बाकी पैसे मांगे तो कन्डक्टर ने कहा खुल्ले नहीं हैं, बाकी पैसे उदयपुर पहुँचने पर वह दे देगा। कैलाश जी सहम गए, उदयपुर पहुँचने में तो बहुत देर लगेगी, उन्होंने अपना हाथ बढ़ाये ही रखा तो कन्डक्टर को गुस्सा आ गया, जोर से बोला-दे देंगे ना, खाकर भाग थोड़े ही जाऊंगा।

कोटड़ा में विशाल सहायता शिविर

संस्थान की ओर से 12 फरवरी को आदिवासी बहुल कोटड़ा तहसील के उपलवास गांव में अन्नदान-वस्त्रदान व भोजन सेवा शिविर संपन्न हुआ। शिविर के विशेष अतिथि श्री सोहन जी चड्ढा, मुक्ता जी चड्ढा (अमेरिका) श्री भरत भाई सोलंकी जी (इंग्लैंड) व श्री एस.पी. कालरा जी (दिल्ली) ने उपस्थित दो हजार से ज्यादा स्त्री, पुरूष और बच्चों को स्वेटर, बूट, चप्पल, मौजे,टूथपेस्ट-ब्रश, साबुन, कंघी, तेल, कंबल, लुंगड़ी, धोती, टी-शर्ट व 5-5 किलो मक्का के पैकेट वितरित किए। शिविर में सभी को भोजन के पैकेट भी दिए गए। इससे पूर्व अतिथियों ने बच्चों को नहलाया व उन्हें नए वस्त्र पहनाए। मेडिकल टीम ने मौसमी बीमारियों से ग्रस्त लोगों की जांच कर निःशुल्क दवा का वितरण किया।

आरंभ में संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मकर संक्रांति पर इसी तहसील के काऊचा गांव और उससे पूर्व उखलियात में विशाल सेवा शिविर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उदयपुर जिले के गांवों में इस तरह के शिविर संस्थान के नियमित प्रकल्प है। उन्होंने बताया कि संस्थान सर्दी में करीब 80 हजार से अधिक ऊन्नी वस्त्र बांट चुका है। शिविर प्रभारी रोहित तिवारी, सह प्रभारी नरेंद्र सिंह चौहान और दिलीप सिंह थे। शिविर में रवीश कावड़िया, जसबीर सिंह, लाल सिंह भाटी, मुकेश शर्मा, रौनक माली, परख जैन और हरिप्रसाद लड्ढा ने सहयोग किया। संचालन महिम जैन ने किया।

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव लेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विशेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. आचार्य श्रीराम जी शर्मा
एवं भगवती देवी जी

पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

दानवीरों का हार्दिक आभार

संस्थान के परम संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
(यू.के.)

श्री किशनचन्द
सहारणानी
बैरागढ़, भोपाल (म.प्र.)

स्व. श्रीमती रतनदेवी
कानोनगो
जयपुर (राजस्थान)

स्व. श्री विजय शंकर मिश्रा
स्व. श्रीमती इन्द्रा देवी मिश्रा,
कानपुर (उ.प्र.)

श्री राजिन्द्र पाल बांसल
श्रीमती चांदरानी बांसल,
मुक्तसर (पंजाब)

सेवा सौभाग्य - प्रपत्र-4

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण घोषणा-पत्र

1. प्रकाशन स्थल	:	उदयपुर
2. प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3. मुद्रक का नाम	:	न्यूट्रेक ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड
4. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
5. पता	:	13, भोपा मगरी, हिरण मगरी, सेक्टर- 3, उदयपुर (राज.) 313001
6.प्रकाशक का नाम	:	प्रशान्त अग्रवाल
7. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
8. पता	:	483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001
9.सम्पादक का नाम	:	प्रशान्त अग्रवाल
10. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
11.पता	:	483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001
12. उन व्यक्तियों के नाम व पते	:	प्रशान्त अग्रवाल

जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक साझेदार या हिस्सेदार हो।

मैं प्रशान्त अग्रवाल एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

प्रशान्त अग्रवाल

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व
पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग
बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़ (पिन कोड - 160047)

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

प्लोट नं. डी-17, एफ-2, आदर्श रेजीडेंसी उमापथ, रामनगर, सोडाला, जयपुर
मो.नं.: 8696002432

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद
(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्राकृतिक वादियों के बीच प्राकृतिक चिकित्सा

एक बार अवश्य पधारें

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

॥ अक्षय तृतीया ॥

शुक्रवार 10 मई, 2024

100 गरीब/पीड़ितजन को करायें
भोजन....प्राप्त करें अक्षय फल

Donate via UPI

Google Pay
PhonePe
Paytm

narayanseva@sbi

100 जन
भोजन सहयोग
₹3000

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 April, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-